चुने हुए शेर

ओमप्रकाश यती

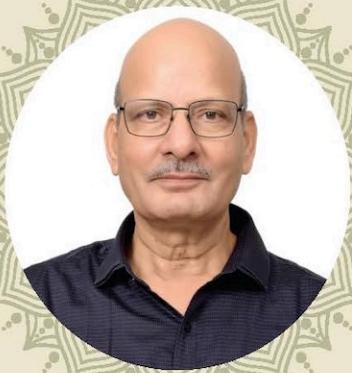

सम्पादन

हरेराम समीप

ओमप्रकाश यती

जन्म : 3 दिसम्बर सन् 1959 को बलिया, उत्तर प्रदेश के " छिब्बी " गाँव में

शिक्षा : सिविल इंजीनियरिंग तथा विधि में स्नातक और हिंदी साहित्य में एम.ए.

प्रकाशन : अब तक 6 ग़ज़ल-संग्रह 'बाहर छाया भीतर धूप', 'सच कहूँ तो', 'सरोकारों के रंग', 'उम्मीद मेरे साथ है', 'रास्ता मिल जाएगा', 'कब तक चलता पीछे-पीछे' और एक चयनित ग़ज़लों का संग्रह 'कुछ नया मौसम तो हो' प्रकाशित।

- प्रतिनिधि ग़ज़लों के दो संग्रह भी प्रकाशित
- एक आलोचनात्मक पुस्तक 'ग़ज़लकार ओमप्रकाश यती, एक मूल्यांकन श्री अनिरुद्ध सिन्हा द्वारा संपादित (2023)
- 1995 में हिंदी अकादमी, दिल्ली द्वारा युवा कवि के रूप में पुरस्कृत
- आकाशवाणी के सर्व भाषा कवि सम्मेलन-2008 में कन्नड़ कविता के हिंदी अनुवादक कवि के रूप में भागीदारी
- अखिल भारतीय साहित्य-कला मंच, मेरठ के 'दुष्यंत स्मृति सम्मान-2011' से सम्मानित
- ग़ज़ल-संग्रह 'सच कहूँ तो' के लिए इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती, दिल्ली का यशपाल जैन सम्मान-2013
- समन्वय (सहारनपुर) का सृजन सम्मान-2013
- ग़ज़ल संग्रह 'सरोकारों के रंग' के लिए उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान का अदम गोंडवी सम्मान-2020।
- राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान, उत्तर प्रदेश का ओमप्रकाश चतुर्वेदी पराग सम्मान, 2023
- ग़ज़लें उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय जलगाँव के एम.ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम में सम्मिलित
- अमेरिकी कांस्युलेट की प्रतिष्ठित हिंदी पत्रिका 'अनन्य' में ग़ज़लें प्रकाशित
- अमेरिका और सिंगापुर के कई साहित्यिक कार्यक्रमों में भागीदारी
- कविता कोश के रचनाकारों में शामिल
- उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग से अधीक्षण अभियन्ता पद से सेवानिवृत्त ।

संपर्क : आवास संख्या, एच-89 , बीटा-2, ग्रेटर नौएडा-201310 (गौतमबुद्ध नगर)

मो. : 9999075942 ईमेल : yatiom@gmail.com

लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस
नई दिल्ली
फ़ोन : 99682-88050, 82879-88726

ISBN 978-81-970121-3-6

₹ 160.00

चुने हुए शेर

ओमप्रकाश यती

चुने हुए शेर

ओमप्रकाश यती

सम्पादन

हरेराम समीप

लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस

लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस

I.S.B.N # 978-81-970121-3-6
4637/20, शॉप नं.–एफ–5, प्रथम तल, हरि सदन,
अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110002
मो.: 9968288050, 9911866239
ई–मेल: littlebirdinfo21@gmail.com

प्रथम संस्करण : 2024
© ओमप्रकाश यती

आवरण चित्र : ककसाड़ टीम
मुद्रक : बालाजी प्रिंटर्स, दिल्ली

इस पुस्तक के किसी भी अंश को किसी भी माध्यम में प्रयोग करने के लिए लेखक/प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

समर्पण

मेरे प्रिय ग़ज़लकार
विज्ञान व्रत जी
को
सादर

परम्परा और आधुनिकता को जोड़ते ग़ज़ल के धागे

–हरेराम समीप

समकालीन हिन्दी कविता के बौद्धिक शोर में ग्रामीण-जीवन और किसान-मजूर की जीवन-स्थितियों पर कविता लेखन जब लगभग निरस्त कर दिया गया है, तब हिन्दी ग़ज़ल में ग्राम्यजीवन के कुशल चितेरे ओमप्रकाश यती अपनी मार्मिक ग़ज़लें लेकर प्रस्तुत होते हैं। इसीलिये तो उनकी ग़ज़लें ग्राम्य-सम्वेदना की मार्मिक अभिव्यक्ति के लिए चर्चित हैं।

सन 1997 से प्रारम्भ हुई ओमप्रकाश यती की ग़ज़ल-यात्रा में- 'बाहर छाया भीतर धूप', 'सच कहूँ तो', सरोकारों के रंग, 'उम्मीद मेरे साथ है', 'रास्ता मिल जाएगा' और 'कब तक चलता पीछे-पीछे' छह ग़ज़ल संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। चयनित ग़ज़लों का एक संग्रह 'कुछ नया मौसम तो हो' भी चर्चित रहा है। उनके प्रिय पाठकों के बीच लोकप्रियता और उत्सुकता को ध्यान में रखते हुए, सभी चर्चित ग़ज़ल संग्रहों से चयनित 500 उत्कृष्ट शेरों का यह संकलन अब आपके हाथों में पहुँच रहा है।

अपनी ग़ज़लों के बारे में यहाँ स्वयं यती की टिप्पणी उल्लेखनीय है, "हिंदी ग़ज़लें कहने में मुझे सहजता और स्पष्टता इसलिए महसूस होती है कि मैंने हिंदी में पढ़ाई की है, हिंदी में सोचता हूं और मेरे अंदर हिंदी के मुहावरों की समझ विकसित हुई है। हालांकि बोलचाल में हिंदी और उर्दू एक-सी हैं फिर भी उर्दू की विधिवत शिक्षा न लेने और भाषा के संस्कार से न जुड़े होने के कारण प्रायः उसकी आत्मा तक न पहुँच पाने, सहजता से उसका प्रयोग न कर पाने और कोई न कोई विसंगति उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है... मेरा बचपन गाँव में बीता। मेरा परिवार खेती-किसानी के काम से जुड़ा था, मां-बाप, भाइयों का परिवार गाँव में ही रहता था, इसलिए नौकरी में आने के बाद भी मेरा गाँव जाना बना रहा और वहां से निरंतर गहरा नाता बना रहा। गाँव में अपने परिवार